





















## पीएम की प्रतिक्रिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर पीएम मोदी की चर्चा की है। उन्होंने भारत को महान देश बताते हुए पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। उनका यह बयान मिथ्ये के शहर शर्म अल शेख में हुए विश्व नेताओं के शिखां सम्मेलन के दौरान आया है। यह सम्मेलन गाजा में युद्ध विराम समझौते के बाद आयोजित किया गया था। जिसमें पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। जब वह पीएम मोदी की तारीफ कर रहे थे, तब ट्रम्प ने अपने पांचे खड़े शहबाज शरीफ की ओर देखा, जिस पर शरीफ ने भी उनकी हाँ में हाँ मिलाई। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत से विदेश राज्यमंत्री की प्रतिक्रिया सिंह भी शरीफ कुहु पूर्व उपमुख्यमंत्री और विहार विधानसभा में नेता प्रतिक्रिया तेजस्वी यादव सहित कुछ बड़े होटल मालिक और अफसों के खिलाफ आयोप तथा हुआ है। काफी सभावना है कि अक्टूबर बीते-बीते इन सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और तेज हो। ऐन चुनाव के बक्त इस कार्रवाई को दो नजरों से देखा जा रहा है। एक यह कि कानून अपना काम कर रहा है और दूसरा यह कि चुनाव के बक्त भाजपा विरोधियों के साथ एसा करते रहती है। ए दोनों तरफ अब विहार की जनत की कसाई पर है।

इस बीच यदि विहार की राजनीति में लालू परिवार के राजनीतिक दबबे को देखें तो पता चलता है कि 2014 के बाद जब जब विहार पर कानूनी शिक्षण कसा गया है तब तब यह परिवार राजनीतिक रूप से बहुत कमज़ोर नहीं हुआ है। चाहे 2015 का चुनाव रहा हो या 2020 का दोनों भी बार गठबंधन में रखकर चुनाव में आए और गठबंधन के प्रमुख सहयोगियों से अधिक सीटें जीतने के साथ गठबंधन में लड़े। 2015 के चुनाव में आरजेडी को 80 सीटें पर कामयाबी मिली थी जबकि जनता दल यूनाइटेड को 71 सीटें पर जीत हासिल हुई थी। भाजपा 53 सीटें पर जीत हासिल की थी। आरजेडी और आरजेडी को गठबंधन सरकार सत्ता में आया और आरजेडी सीटें जीतने के बाद भी आरजेडी ने नीतीश कुमार को स्थानीय बनाया था। 2020 के चुनाव में आरजेडी को 75 सीटें पर जीत हासिल हुई और जदयू को 49 सीटें पर जीत हासिल की थी। इस चुनाव के शुरू ही दौर में भाजपा और जदयू गठबंधन की सकारात्मकी है।

बाद में आरजेडी और जदयू की सरकार बनी और अब फिर भाजपा और जदयू की सरकार है। 2015 के मुकाबले 2020 में आरजेडी की सीटें घटकर 75 हो गई वहीं जदयू 71 से घटकर 49 पर आगे लैंकन भाजपा आरजेडी के गठबंधन के 53 से बढ़कर 74 सीटें तक पहुंच गई। 2020 में बढ़ी सीटें को पैमाना मानते हुए 2025 के चुनाव में भाजपा ने जदयू के साथ बराबर बराबर सीटें पर समझौता किया है ताकि चुनाव परिणाम बाद सरकार के नेतृत्व का फैसला करने में काईं पहुंचा था इस बार में 39 सीटों के साथ भाजपा के

वापसी करता है और वह जदयू से दो चार सीटें भी अधिक पा लिया तो नीतीश बख्ती जानते हैं कि उन्हें महाराष्ट्र के एक नाथ थिंग ही होना है। 2025 नुस्खान करने की कोशिश करें लेकिन यह काई गुल बहुत सालों पाए, यह सुमिक्षन नहीं है। इस चुनाव में हटकर होने जा रहा है। नीतीश कुमार ने घपले ही विहार की महिलाओं के लिए दो सारी योजनाओं का अंबाल लगाया था इस प्रश्नांत किशोरी की पार्टी ने 75 लाख महिलाओं के खाते में दस दस हजार नगरी की इमादाद दी है, वह भी कहीं न कहीं चुनाव को प्रभावित करेगा ही।

हासिल प्रधानमंत्री के बाद जदयू के लिए इस दस हजार के इमादाद को विपक्ष प्रधानमंत्री के दो लाख के वायदे के सापेक्ष महज ज्ञानदूनी करार दिया है लेकिन जनता यह मानें तब न इसके अलावा 2020 में चिराग पासान अकेले दम पर चुनाव लड़े थे। माना जा रहा है कि तब वे भाजपा को ही नुकसान पहुंचाएं थे इस बार वे 39 सीटों के साथ भाजपा के

# बिहार विधानसभा चुनाव: पीके को नजर अंदाज करना भूल होगी



वाशोदा श्रीवास्तव

और कुशासन के बीच उलझ कर रह गया हो। कहना न होगा कि विहार विधानसभा चुनाव में पीके के जन सुराज की इंद्री ने मुकाबला तिरतरा बना दिया है। जबसे विहार में विधानसभा चुनाव की सरार्थियां बढ़ी हैं तब से देखा जाए तो यह साफ दिखाता है कि पीके की पार्टी आरजेडी गठबंधन और जदयू गठबंधन दोनों को बराबर बराबर बराबर नुकसान पहुंचा रहा है। और ये दोनों बढ़ी पार्टियां इसे लेकर अंदर भले न खोले अंदर परेशान बहुत हैं। 35 साल से आरजेडी और जदयू के बीच उलझा विहार पीके के रूप में एक तीसरे विकल्प को भी देखा रहा है। इस चुनाव में पीके अपनी साफ-सुधारी छवि के लिए खासा चर्चित हुए हैं। जाति से ब्राह्मण प्रशांत किशोर खुब जाने हैं कि जाति के जाल में फँसे विहार की राजनीति को उसी जाल में फँसाकर ही बदला जा सकता है। जन सुराज के अबतक योगित कीरीब 140 उम्मीदवारों को देखो तो जातीय समीकरण का खाल बहुत सार्च-समझकर कर किया हुआ जाने वाला है। पीके ने ईमानदार छवि के कुछ पूर्व नीकशाहों पर भी दांव लगाया है तो भाजपीरों फिल्म स्टार पवन सिंह की पूर्व पत्नी ज्योति सिंह को टिकट देकर महिलाओं को आकर्षित करने का इमोरनल कार्ड भी खोला है। विहार की राजनीति के इमोरनल कार्ड भी खोला है। विहार के जालीनीति के अन्दर तक पकड़ रखने वाले विशेषज्ञ मान रहे हैं कि विहार की महिलाओं के लिए दो सारी योजनाओं का अंबाल लगाया दिया है दूसरे प्रधानमंत्री मोदी ने जो 75 लाख महिलाओं के खाते में दस दस हजार नगरी की इमादाद दी है, वह भी कहीं न कहीं चुनाव को प्रभावित करेगा ही।

दो साल में उन्होंने अपनी चुनाव प्रबंधन की विधान प्रधानमंत्री के दो लाख के वायदे के सापेक्ष महज ज्ञानदूनी करार दिया है दूसरे प्रधानमंत्री मोदी ने जो 75 लाख महिलाओं के अंडर स्टीमेट किशोर की पार्टी ने जन सुराज का अंडर स्टीमेट करना सत्ता की दौड़ से शामिल किसी भी राजनीति के तिक दल के लिए भूल होगी।

दो साल में उन्होंने अपनी चुनाव प्रबंधन की विशेष पहचान से अलग एक ईमानदार राजनीतिक चेहरे की पहचान भी स्थापित की है। वैसे भी जो शख्स अपने कुशल चुनावी प्रबंधन से दूसरे को सत्ता दिला सकता है वह क्या अपने लिए थोड़ा बहुत भी नहीं कर पाएगा वह भी उस विहार में जहां की राजनीति जंगलराज और कार्यथत सुशासन

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

## नीतीजा वही जो हर युद्ध का होता है और रास्ता वही



हफीज किर्दर

**ला** खों मौतों के बाद गिर्दों ने कहा कि चलो अब पैरे भर रहा है कि भारत और अपाक्ष सरकार से साथ रहेंगे। भले ही दोनों ने अपने अपनी अच्छी बदलावों में देखा जाए। वह बात जो टीक 777 दिन पहले भी ही सकती थी। वह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती था। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती था। मगर जब लालों घर ढूँढ गए, इंसान मर गए, शैतानी भी बहेमी से उड़ा उड़ा, बच्चों की लालों चिंदी चिंदी करके वहां रहा था, तब वह फिर वहीं रही है। यह बात जो टीक 777 दिन पहले भी ही सकती थी। यह एक तारीख पहले हो सकती है। यहीं से उम्मीद कर सकते हैं। यह बात जो टीक 777 दिन पहले भी ही सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती था। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती था।

मगर जब लालों घर ढूँढ गए, यह बात जो टीक 777 दिन पहले भी ही सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती था। मगर जब लालों घर ढूँढ गए, यह बात जो टीक 777 दिन पहले भी ही सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती था। मगर जब लालों घर ढूँढ गए, यह बात जो टीक 777 दिन पहले भी ही सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती था।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है। यह बात जो कोई भी, कभी भी कर सकती है।

